राजस्थान पत्रिका
www.patrika.com

प्रिय श्री आदित्य शास्त्री,

यह जानकर अत्यंत दुख हुआ कि आपके पिताजी (दादा) का स्वर्गवास दिनांक 05.12.2010 को हो गया है। इस दुख की घड़ी में राजस्थान पत्रिका परिवार भी आपके साथ है। ईश्वर की इच्छा के आगे हमारा कोई जोर नहीं चल पाता, प्रकृति का चक्र पूरा करने के लिए शरीर और आत्मा के संबंधों का समय निर्धारित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह इस दुख की घड़ी में आपके परिवार को सम्बल प्रदान करें तथा आपके पिताश्री की आत्मा को शांति प्रदान करें।

समस्त राजस्थान पत्रिका परिवार
जयपुर